



पतंजलि विश्वविद्यालय
University of Patanjali
Examination May – 2018
B. A. Philosophy (Semester: Fourth)
संस्कृत
संस्कृत-साहित्य-4

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-अ

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. बुद्धचरितस्य त्रयोदशसर्गस्य सरांशो लेख्यः।
2. मुद्राराक्षसस्य द्वितीयाङ्कस्य सारः स्वभाषया लेख्यः।
3. अलङ्कारस्य परिभाषां प्रदाय सभेदं सोदाहरणं तं निरूपयत।
4. तुद्, दिव्, आप इति त्रयाणां धातूनां रूपाणि पञ्चलकारेषु (लट्, लोट, लङ्, लृट्, विधिलिङ्) लिखन्तु।
5. किं नाम छन्दः? सभेदं सोदाहरणं च लिखत।

खण्ड-ब

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4×5=20)

1. बुद्धचरितस्य चतुर्दशसर्गात् एकं श्लोकं विलिख्य सप्रसङ्गा व्याख्या करणीया।
2. बुद्धचरितानुसारं कामदेवस्य सेनायाः वर्णनं संक्षेपेण कुरुत।
3. अधोलिखितश्लोकस्य व्याख्या सप्रसङ्गा करणीया।
पीत्वा निरवशेषं कुसुमरसमात्मनः कुशलतया।
यदुद्गिरति भ्रमस्तदन्येषां करोति कार्यम्॥
4. मुद्राराक्षसस्य द्वितीयाङ्कानुसारम् आहितुण्डिकस्य चरितं लिखत।
5. संस्कृत-भाषायामनुवादो विधेयः -
 1. मन सत्य से शुद्ध होता है।
 2. गुरु शिष्य से प्रेम करता है।
 3. बल से बुद्धि श्रेष्ठ है।
 4. पिता को नमस्कार है।
 5. दही से घृत होता है।
6. कृ, ज्ञा इति द्वयोः धात्वोः रूपाणि केवलं लोट्लकारे लिखत।

खण्ड-स
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है।
इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10×0.5=05)

1. मुद्राराक्षसस्य द्वितीयाङ्के श्लोकाः सन्ति
(अ) 4 (ब) 25
(स) 23 (द) 26
2. बुद्धचरितस्य त्रयोदशसर्गस्य नाम
(अ) निर्वाणप्राप्तिः (ब) कामनिन्दा
(स) मारपरजयः (द) वनगमनम्
3. मुद्राराक्षसे कति अङ्काः सन्ति ?
(अ) सप्त (ब) षट्
(स) पञ्च (द) चत्वारः
4. वैरोचकः कः ?
(अ) चाणक्यस्य सेवकः (ब) पर्वतिश्वरस्य भ्राता
(स) चन्द्रगुप्तस्य मन्त्री (द) कुसुमपुरस्य अधिष्ठाता
5. दारुवर्मा कः ?
(अ) शिल्पी (ब) कथाकारः
(स) शिक्षकः (द) मन्त्री
6. ब्रू धातोः लिट्कारप्रथमपुरुषैकवचनस्य रूपम्
(अ) उवाच (ब) उवच
(स) ब्रूवाच (द) ऊच
7. 'क्तवतु' प्रत्ययः भवति
(अ) वर्तमाने (ब) भूते
(स) भविष्ये (द) क्वचिदपि न
8. लृट्कारे विकरणप्रत्ययः भवति
(अ) शप् (ब) श्यन्
(स) तास् (द) स्यः
9. 'उरः स्थलम्' इत्यस्य तात्पर्यं भवति
(अ) हृदयम् (ब) उदरम्
(स) वक्षः (द) पाणिः
10. हु धातोः लङ्कारस्य उत्तमपुरुषैकवचनस्य रूपम्
(अ) अजुह्वनम् (ब) अजुहुम
(स) जुहाव (द) जुहव

-----X-----